हिंदू लड़की को जबरन मुस्लिम बनाने पर पाकिस्तानी कोर्ट सख्त

आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई का दिया आदेश

विरोध-प्रदर्शन

धर्म बदलकर नाबालिग की मुस्लिम व्यक्ति से करा दी गई शादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। इस्लामिक संगठनों की ओर से जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान की एक अदालत ने मंगलवार को नाबालिग हिंदू लड़की को बाल संरक्षण केंद्र में भेजने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने स्थानीय पुलिस को उसके आरोपी मुस्लिम पति अली रजा सोलंगी के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सूत्रों का कहना है कि कड़ी सुरक्षा के बीच नाबालिग हिंदू लड़की को जैकबाबाद की अदालत में पेश किया गया। यहां बता दें कि जमीयत उलमा-ए-इस्लाम पाकिस्तान सहित कई मुस्लिम संगठन आरोपी शख्स के खिलाफ कार्रवाई से नाराज है।

जैकबाबाद के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गुलाम अली कांसिरो ने आदेश दिया है कि फिलहाल

नाबालिग लड़की को लरकाना के डार-उल-अमन से निकटतम बाल संरक्षण संस्थान में शिफ्ट कर दिया जाए। अदालत ने स्थानीय पुलिस को भी लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने इस मामले में सिंध बाल विवाह निरोधक अधिनियम, 2013 की धारा 3 और 4 का उल्लंघन माना है और इसी के तहत आरोपी अली रजा के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया है कि वह मुख्य आरोपी अली रजा के अलावा इस निकाह को कराने में शामिल लोगों को चिन्हित करे और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे।

कोर्ट के आदेश पर अखिल पाकिस्तान हिंदू पंचायत के महासचिव, रवि दावानी ने कहा, जैकबाबाद में जारी तनाव के बीच कोर्ट का यह आदेश स्वागत योग्य है। नाबालिग हिंदू लड़की ने पहले कहा था कि उसने इस्लाम धर्म अपना लिया है और अपनी मर्जी से अली रजा से शादी की है। वहीं दूसरे विडियो में वह कह रही है कि उसके साथ जबरदस्ती हुई है। वह हिंदू ही बने रहना चाहती है और उसे अपने परिवार के पास भेज दिया जाए।

मालूम हो कि इस घटना के विरोध में पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ताओं समेत ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों ने लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है।

इस मामले को लेकर पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर लोगों ने गुस्सा जाहिर किया और लड़की के न्याय की मांग की है।

न्यूज डायरी

सीएए पर यूएन चीफ एंतोनियो गुतारेस का बेतुका बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और प्रस्तावित नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजंस (एनआरसी) पर छिड़ी बहस के बीच संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने भारत के इस अंदरूनी मामले पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जब किसी नागरिकता कानून में बदलाव होता है तो किसी की नागरिकता न जाए, इसके लिए सबकुछ करना जरूरी है। खास बात यह है कि सीएए में ऐसा कोई प्रावधान है ही नहीं कि किसी की नागरिकता जाए। यह पड़ोसी देशों में धार्मिक प्रताड़ना का शिकार होकर भारत आए शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए है। पाकिस्तान की तीन दिन की यात्रा पर आए गुतारेस से जब एक इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या वह भारत में नए कानूनों को लेकर चिंतित हैं तो उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर हूं।

ट्रंप की नजरों से छुपाई जा रही है भारत की गरीबी, पर अमेरिका में भी हैं बेघर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की यात्रा के दौरान उनकी नजरों से भारत की गरीबी छुपाने की कोशिश हो रही है। गुजरात में ट्रंप का काफिला गुजरने वाले इलाकों में गरीबी और गंदगी छुपाने के लिए दीवारें बनवा दी गई हैं। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने नवनिर्मित मोटेरा स्टेडियम के समीप झुग्गियों में रह रहे कम से कम 45 परिवारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 24 फरवरी को निर्धारित यात्रा से पहले उस जगह को खाली करने का नोटिस दिया है। इसी बीच अमेरिका के बड़े शहर सैन फ्रांसिस्को की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें साफ तौर से दिख रहा है कि इस विकसित देश में भी बेघर लोग हैं। तस्वीर में दिख रहा है कि एक महिला शानदार कपड़ों में सड़क से गुजर रही है, वहीं किनारे पर कुछ बेघर सो रहे हैं।

फेडेरल सर्किट कोर्ट में पहले भारतीय अमेरिकी न्यायाधीश बने श्री श्रीनिवासन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। जानेमाने भारतीय अमेरिकी न्यायाधीश श्री श्रीनिवासन शक्तिशाली फेडरल सर्किट अदालत की कमान संभालने वाले दक्षिण एशियाई मूल के पहले व्यक्ति बन गए हैं। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय के बाद इसे ही सर्वाधिक शक्तिशाली अदालत माना जाता है। श्रीनिवासन (52) ने डीसी सर्किट के लिए यूनाइटेड स्टेट्स कोर्ट ऑफ अपील्स का मुख्य न्यायाधीश पद संभालकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 12 फरवरी को यह पद संभाला। उच्चतम न्यायालय में नियुक्ति के लिए भी उनके नाम पर विचार किया गया था। एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि श्रीनिवासन ने न्यायाधीश मेरिक गारलैंड का स्थान लिया है। वह पहले भारतीय-अमेरिकी हैं जिन्हें अमेरिका की दूसरी सबसे शक्तिशाली अदालत में नियुक्ति दी गई है। श्रीनिवासन का जन्म चंडीगढ़ में हुआ था। वह कंसास के लॉरेंस में पले-बढ़े।

तालिबान के साथ समझौता होने की उम्मीद हैः ट्रम्प

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अगले सप्ताह भारत यात्रा पर आने से पहले दोहराया कि उन्हें अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के लिए तालिबान से शांति समझौता होने की उम्मीद नजर आती है। अमेरिका लंबे समय से तालिबान से बात कर रहा है और ट्रंप ने भी पहले कहा था कि युद्धग्रस्त देश में हिंसा कम करने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत में प्रगति हुई है। ट्रम्प ने ज्वॉइंट बेस एंड्रयूस में मंगलवार को पत्रकारों से कहा, '' हम तालिबान से बातचीत कर रहे हैं। हम काफी समय से उनसे बातचीत कर रहे हैं। हम देखते हैं कि क्या होता है। समझौता होने की उम्मीद है। इसका मौका है।'' 'मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट' में पाकिस्तान और अफगानिस्तान मामलों के अध्ययन के निदेशक मार्विन जी. वेनबॉम ने भी कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका इस महीने के अंत तक तालिबान के साथ समझौता कर लेगा।

पाक रेल मंत्री ने चेताया, मौलाना ने अब धरना दिया तो धर लिए जाएंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। अपने विवादित बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले पाकिस्तान के रेलवे मंत्री शेख रशीद अहमद ने कहा है कि अगर इस बार (जमीयते उलेमाए इस्लाम-फजल के प्रमुख) मौलाना फजलुररहमान ने सरकार के खिलाफ धरना दिया तो धर लिए जाएंगे। पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, शेख रशीद ने संवाददाताओं से कहा, श्मौलाना आजादी मार्च में जो चाहें मुहिम चला लें लेकिन कोई मार्चपास्ट नहीं होने वाला। हल्का-फुल्का संगीत बजेगा लेकिन प्रधानमंत्री इमरान खान अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। अगर मौलाना ने इस बार धरना दिया तो धर लिए जाएंगे।

मौलाना फजल ने इमरान सरकार के इस्तीफे की मांग के साथ बीते साल अक्टूबर में आजादी मार्च निकाला था और इस्लामाबाद में लंबा धरना दिया था। उनका कहना है कि उन्हें आश्वासन दिया गया था कि इमरान सरकार हटा दी जाएगी और देश में नए सिरे से चुनाव होगा। इसके बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया था। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह आश्वासन उन्हें किसने दिया था। अब, रहमान ने एक बार फिर नए सिरे से इमरान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का ऐलान किया है।

कोरोना वायरसः जापान में खड़े क्रूज से निकाले गए यात्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) योकोहामा। कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद जापान में तट के पास खड़े क्रूज को सैकड़ों यात्रियों ने बुधवार को अलविदा कहा और इसके साथ ही उनके मुश्किल भरे दिन खत्म हो गए। श्डायमंड प्रिंसेसश नाम के इस जहाज पर सवार 542 लोग कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं। जिन लोगों की कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है, उन्हें जहाज से बाहर निकलने की अनुमति मिल गई। लोगों को अलग रखने की जो व्यवस्था जापान सरकार ने की थी, अब उसकी आलोचना तेज हो गई है।

मलेशिया के एमएच370 विमान को जानबूझकर डुबाया था पायलट ने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने दावा किया है कि मलेशिया के टॉप लेवल के अधिकारियों का मानना है कि एमएच370 फ्लाइट को उसके कप्तान ने जानबूझ कर गायब किया। दावा है कि कप्तान आत्मघाती था, जिसने फ्लाइट में सवार सभी लोगों की जान ले ली। हालांकि, उन्होंने अपने इस बयान को साबित करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया है।

बता दें कि मलेशिया की ये एयरलाइन एमएच 370 8 मार्च 2014 को गायब हो गई थी, जिसमें घटना के वक्त 239 लोग मौजूद थे। इनमें अधिकतर लोग चीन से

8 मार्च 2014 को ये विमान गायब हुआ था, जिसमें 239 लोग सवार थे,

थे, जो कुआलालंपुर से बीजिंग जा रहे थे। हिंद महासागर के करीब 1.20 लाख वर्ग किलोमीटर की खोजबीन में भी इस जहाज का पता नहीं चला। ये सर्च जनवरी 2017 तक चली थी, जो अब तक की एविएशन इंडस्ट्री की सबसे बड़ी खोजबीन थी, लेकिन बावजूद इसके जहाज का कोई सुराग नहीं मिला।

अमेरिका की एक एक्सप्लोरेशन फर्म ने 2018 में प्राइवेट तरीके से भी इसकी खोज करनी चाही, लेकिन कुछ महीनों बाद ही उन्होंने अपनी खोजबीन बंद कर दी, क्योंकि उन्हें भी कुछ हाथ नहीं लगा। जब से एमएच370 विमान गायब हुआ है, तब से लेकर अब तक तमाम थ्योरी सामने आईं। लेकिन अब विमान के पायलट जहारी अहमद शाह को लेकर जो थ्योरी टोनी एबॉट ने बताई है उसने सबको हैरान कर दिया है। स्काई न्यूज डॉक्यूमेंट्री में एबॉट ने कहा है कि उन्हें मलेशिया का विमान गायब होने के करीब महीने भर में ही ये बता दिया गया था कि संभवतः उस विमान को खुद उसके पायलट ने ही जानबूझ कर डुबाया था। उन्होंने कहा कि मलेशिया की सरकार के टॉप लेवल के अधिकारियों के अनुसार पायलट ने आत्महत्या की और साथ ही विमान में मौजूद सैकड़ों लोगों के नरसंहार की वजह बना।

मोदी मुझे बहुत पसंद, लेकिन अभी भारत के साथ ट्रेड डील नहींः ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर आशंका के बादल मंडरा गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील पर आशंका जाहिर की है। ट्रंप ने कहा कि वह भारत के साथ एक बहुत बड़ी ट्रेड डील करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें नहीं मालूम कि यह अमेरिकी चुनाव से पहले हो पाएगी या फिर नहीं।

हालांकि ट्रंप ने पीएम मोदी को लेकर कहा कि वह उन्हें बहुत पसंद करते हैं। भारत और अमेरिकी के व्यापारिक रिश्ते पर ट्रंप ने कहा कि भारत ने हमारे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया है। लेकिन उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें भारत दौरे से काफी उम्मीदें हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप 24 फरवरी को भारत दौरे पर आ रहे हैं। माना जा रहा था कि अमेरिका और भारत के बीच इस दौरान एक बड़े द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ट्रंप से जब इस बात को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम भारत के साथ एक बहुत बड़ी ट्रेड डील करना चाहते हैं। हम यह करेंगे।